



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2001/16 भाद्रपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 सितम्बर, 2001

संख्या एफ. एफ ई. वी-एफ (6) 2/99-II.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अन्तर्गत उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला किन्नौर के रूपी-भावा क्षेत्र अभ्यारण्य का गठन करने के आशय से अधिसूचना संख्या एफ.टी.एस. (एफ) 3-15/81, तारीख 28-3-1982 जारी की थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथाअपेक्षित उद्घोषणा तारीख 30-3-1991 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी तथा जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर आक्षेप प्राप्त हुए थे।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर ने उक्त अधिनियम की धारा 24(2) के अन्तर्गत उनमें विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा उठाए गये आक्षेपों का सावधानीपूर्वक विचार किया और निजी

भूमि वह वन भूमि जिन पर क्षेत्रीय लोगों के बहुत ज्यादा हक-हकूक हैं को रूपी-भाबा अभ्यारण्य से बाहर करने तथा इस भूमि पर लोगों के बुशेहर स्टेट की वन बन्दोबस्त रिपोर्ट, १९२१ में दिये गये हक-हकूक गथावत रखने की सिफारिश की है।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट का सुविचारित परिशीलन करने के पश्चात् राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश का यह समाधान हो गया है कि समाहर्ता जिला किन्नौर द्वारा अनुसंशित निजि भूमि व वन भूमि को रूपी-भाबा अभ्यारण्य जिसे इस रूप में २८-३-१९८२ को अधिसूचित किया गया था, से बाहर रखा जाए।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट तथा मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) व मुख्य प्राणी संरक्षक, हिमाचल प्रदेश वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, १९७२ की धारा २।। (२) (ग) के उपबन्धों के अधीन की गई राहमति के आधार पर जादेश देते हैं कि स्थानीय निवासी, उन्हें बुशेहर स्टेट वन बन्दोबस्त रिपोर्ट, १९२१ में, उपरोक्त अभ्यारण्य में प्रदत्त हक-हकूक का उसी प्रकार प्रयोग करते रहेंगे जैसे वे उनका इससे पूर्व करते आये हैं।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह मानना है कि अभ्यारण्य रूपी-भाबा पर्याप्त परिस्थितिक, प्राणीजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्रापोविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा २६ (क) द्वारा उससे निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए रूपी-भाबा क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाग से अभ्यारण्य घोषित करते हैं।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर: मुख्य श्रीखण्ड धार, ५७७३ मीटर ऊंची कोकशाने चोटी (Lat. ३१°-४५'-३३" N, Long. ७७°-५०'-१२"E) से उच्च बिन्दुओं ५६९५ मीटर, ५५३० मीटर, ५१०० मीटर, ५२०५ मीटर, ५२८० मीटर, ५३६५ मीटर, ४८६५ मीटर, ५४३० मीटर, ५४९५ मीटर से हो कर उच्च बिन्दु ५५६७ मीटर तक (Lat. ३१°-३७'-३४"N, Long. ७८°-०७'-४६"E)

पूर्व: मुख्य श्रीखण्ड धार पर स्थित उच्च बिन्दु ५५६७ मीटर (Lat. ३०°-४५'-३९"N, Long. ७८°-०६'-४६"E) से दक्षिण की तरफ जाने वाली धार जो कि पहले निचार को मुरंग तहसील व बाद में कल्पा तहसील से अलग करती है, के मुक्किम धार पर स्थित ५४९६ मीटर ऊंची चोटी तक (Lat. ३१°-३७'-३४"N, Long. ७८°-०७'-०६"E)।

दक्षिण: ५४९६ मीटर ऊंची चोटी (Lat. ३१°-३७'-३४"N Long. ७८°-०७'-०६"E) से लिसतरंग गाड की ओर उतरती धार जो कि ओसयान से दक्षिण की ओर है व ३२१४ मीटर पर लिसतरंग गाड से मिलती है, और फिर गाड के साथ नीचे रत्वा तक, जहां से सीमा आंगयार धार पर स्थित ४६९२ मीटर, ४८५३ मीटर, ५५७४ मीटर, ५३४९ मीटर बिन्दुओं से लेकर ५२४६ मीटर उच्च बिन्दु तक है। इसके बाद सीमा धार के साथ मुइलिंग से थोड़ा पहलै आंगयार नाले के शुरू तक व फिर आंगयार नाले के साथ नीचे को और वांगर मडेड (भाबा नदी) फिर नदी के पार दाहिनी तरफ धार पर स्थित ५१७६ मीटर उच्च बिन्दु तक। यहां से सीमा सीलिंग धार पर स्थित बिन्दुओं के साथ ४६४५ मीटर, ४३३६ मीटर, ३९६४ मीटर और ३५५० मीटर तक और फिर पूर्व की ओर कन्डार खड़ड के साथ सक नटपा संरक्षित वन को नीचे की सीमा तक। यहां से एक नटपा संरक्षित वन की नीचे की सीमा के साथ व शिल्पे खेतों के बाहर से होती हुई डान्नारंग, रखचंग, सालारनग, तीरा, छोटा कम्बा व बड़ा कम्बा संरक्षित वनों को बाहरी सीमा के साथ होती हुई शोरंग खड़ड के साथ बड़ा कम्बा कुहल के आरम्भ तक। इसके बाद सीमा रूपी गांव के खेतों के बाहर से रूपी वन विश्राम गृह तक जाने वाले पैदल रास्ते के साथ श्रीखण्ड धार पर स्थित ३०३८ मीटर उच्च बिन्दु (Lat. ३१°-३५'-३१' N, Long. ७७°-४९'-५१"E) जो कि किन्नौर व शिमला जिले के सीमांकित करती है तक।

गण्डग : 3038 मीटर उच्च बिन्दू (Lat. 31°-35'-31" N, Long. 77°-49'-51" E) से 5600 मीटर ऊंची धीरा पाण चोटी से होकर जिमला जिले की सीमा के साथ श्रीखाड़ धार पर 5773 मीटर ऊंची कोकणेन चोटी तक (Lat. 31°-45'-33" N, Long. 77°-50'-12" E)।

क्षेत्रफल 503 वर्ग कि० मी०।

प्रावेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तायक्त पांच गन्धिव।

[Authoritative English text of this department notification No. FFEB-F(6) 2/99-II dated 7th September, 2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

FOREST DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 7th September, 2001

No. FFEB-F(6) 2/99-II.—Whereas Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 18 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 had issued notification No. Fts. (F) 3/82 dated 28-8-1982 declaring his intention to constitute Rupi-Bhaba Sanctuary in District Kinnaur.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act, was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 30-3-1991 and objections were received from the public within the prescribed period.

And whereas the Collector, District Kinnaur in exercise of the powers vested in him under section 24(2) of the said Act, has carefully considered the objections raised by the interested persons and recommended deletion of private and forest land heavily burdened with the rights of the local inhabitants from Rupi-Bhaba Sanctuary and also recommended continuance of rights of the people as enjoyed by them as per the Forest Settlement Report of Bushehr State, 1921 in the above Sanctuary.

And whereas after careful perusal of the report of Collector, District Kinnaur, the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that the private and forest land as recommended by the Collector, District Kinnaur should be excluded from Rupi-Bhaba Sanctuary which was notified on 28-8-1982.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh on the basis of the report of Collector, District Kinnaur and the concurrence given by the Chief Conservator of Forests (Wildlife)-cum-Chief Wild Life Warden H. P. under the provisions of section 24(2)(c) of the Wild Life (Protection) Act, 1972 is pleased to order that the local inhabitants shall be allowed to exercise the rights conferred *vide* Forest Settlement Report of 1921 of Bushehr State as are being enjoyed by them heretofore in the above sanctuary.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Rupi-Bhaba Sanctuary is of adequate ecological, faunal, floral, geo-morphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 26-A of the said Act is pleased to declare Rupi-Bhaba as Wildlife Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North.—Main Srikhand Dhar, starting from Kokshane Peak 5773m (Lat. 31°-45'-33" N and long. 77°-50'-12" E) passing through high points 5695m, 5530m, 5100m, 5205m, 5280m, 5365m, 4865m, 5430m, 5495m, upto 5567m (Lat. 31°-45'-39" N & Long. 78°-06'-46" E).

East.—Ridge line from high point 5567 m (Lat 31°-45'-39" N & Long 78°-71'-06" E) on the main Srikhand mountain range heading South dividing first Nichar from Moorang Tehsil than Kalpa Tehsil till the point on the ridgeline of the Mukindhar upto peak 5496m (Lat. 31°-37'-34" N & Long. 78°-7'-06" E).

South.—From peak 5496m (Lat. 31°-37'-34" N & Long. 78°-71'-06" E) along the ridge descending down to Listrang Gad, South of Khosyan to meet the Listrang Gad at 3214m, and then along the stream till below Ratba, from where the boundary follows up the ridge of Angyar Dhar passing through points 4692m, 4853m, 5574m & 5349m upto 5246m. Then along the ridge till beginning of the Angyar Nala just short of Muiling. Down the Angyar Nala to Wanger Khad (Bhaba river) and then across the river to the ridge on the right side upto the point at 5176m. From there, along the ridge of Soling Dhar to Point 4645m along the ridge to 4336m, 3964m, then upto 3550m and then turning East along the Kandarkhad upto lower outer boundary of Sak Natpa PF. From there turning West along lower outer boundary of Sak Natpa PF excluding Shilpe cultivation and further along outer boundary of Dangrang P. F. Rakchang Salarang PF, Tira PF, Chhota-Kamba PF, Bara Kamba PF, then down to Shorang Khad upto the source of Bara Khamba, kuhl. Thereafter, the boundary following the forest foot-path upto Rupi FRH excluding the cultivation of Rupi village and upto the boundary of Kinnaur and Shimla District on Srikhad Dhar at point 3038m (Lat. 31°-35'-31" N & Long. 77°-49'-51" E).

West.—Starting from the high point 3038m, (Lat. 31°-35'-31" N & Long. 77°-49'-51" E) along the boundary with Shimla District to Srikhand Dhar via Ghishu Pashu Peak at 5600m upto Kokshane Peak 5773m (Lat. 31°-45'-33" N and Long. 77°-50'-12" E).

Area.—503 Sq. Kms.

By order,

Sd/-
F. C.-cum-Secretary.